आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
बुधवार 26.02.2025
समय 1830

मुख्य समाचार :–

- प्रदेश में महाशिवरात्रि का पर्व धार्मिक उत्साह के साथ मनाया गया।
- केदारनाथ धाम के कपाट आगामी 2 मई को सुबह 7 बजे श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोले जाएंगे।
- पिथौरागढ़ जिले में आदि कैलाश और ओम पर्वत यात्रा की तैयारियां शुरू।
- मौसम विभाग ने अगले दो दिनों में राज्य के अधिकांश हिस्सों में बारिश और बर्फबारी की संभावना जताई।

महाशिवरात्रि

प्रदेश में महाशिवरात्रि का पर्व धार्मिक उत्साह के साथ मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न शिव मंदिरों में सुबह से बड़ी संख्या में श्रद्धलुओं ने भगवान शिव का रुद्राभिषेक किया। श्रद्धालुओं ने शिवालयों में जल, दूध, दही और बेल पत्री से भगवान शिव की पूजा–अर्चना की।

महाशिवरात्रि के अवसर पर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने ऊधमसिंह नगर जिले के चकरपुर, खटीमा स्थित श्री वनखंडी महादेव शिव मंदिर में सपत्नीक जलाभिषेक और पूजा अर्चना कर प्रदेश में सुख–शांति व समृद्धि की कामना की। उन्होंने मंदिर में 12 दिवसीय महाशिवरात्रि मेले का भी शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि वनखंडी मंदिर को सुन्दर डेस्टिनेशन के रूप में विकसित किया जायेगा। उन्होंने कहा कि खटीमा बस अड्डा शीघ्र तैयार किया जाएगा।

वहीं, हरिद्वार के विभिन्न शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं ने भोलेनाथ का जलाभिषेक कर पूजा अर्चना की। बिल्वकेश्वर महादेव मंदिर, दक्ष प्रजापति, गौरीशंकर और नीलेश्वर मंदिर सहित विभिन्न शिवालयों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगनी शुरू हो गई थी। दिगंबर पुनीत पुरी ने बिल्वकेश्वर मंदिर के महत्व के बारे में जानकारी दी।
वहीं, मंदिर में आई श्रद्धालु दिव्या पांडेय ने बताया कि उन्होंने भगवान शिव की पूजा–अर्चना कर सभी के कल्याण की प्रार्थना की।
उधर, चम्पावत जिले के बालेश्वर, रिषेश्वर, सप्तेश्वर और हरेश्वर सहित विभिन्न शिव मंदिरों में श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक कर पूजा–अर्चना की। बागेश्वर जिले में बाबा बागनाथ मंदिर, हर–हर महादेव और ओम नमः शिवाय के जयकारे से गुंजायमान रहे। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने पवित्र सरयू नदी में आस्था की डुबकी लगाई।
टिहरी जिले के देवलसारी महादेव, ओणेश्वर और कोटेश्वर महादेव सहित अन्य मंदिरों में श्रद्धालुओं ने भोलेनाथ का बेलपत्री, भांग, धतूरा और दूध आदि से जलाभिषेक किया।
उत्तरकाशी जिले में सुबह से ही विभिन्न शिवालयों में श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। मुख्य बाजार स्थित श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में शिवभक्तों की लम्बी कतारें लगी रही। नगर क्षेत्र में शिव और पार्वती की बारात निकाली गई, जिसमें हज़ारों की संख्या में शिव भक्त उमड़े। इस दौरान विभिन्न संगठनों और गांवों की ओर से झांकियां भी निकाली गई।
राजधानी देहरादून के टपकेश्वर मंदिर सहित विभिन्न मंदिरों में श्रद्धालुओं की भीड़ रही। टपकेश्वर मंदिर के मुख्य पुजारी का कहना है कि पौराणिक मान्यता के अनुसार आदिकाल में भोले शंकर ने यहां देवेश्वर के रूप में दर्शन दिए थे। इस मंदिर के शिवलिंग पर एक चट्टान से पानी की बूंदे टपकती रहती हैं।

कांवड़ यात्रा समापन

महाशिवरात्रि पर्व पर जहां श्रद्धालुओं ने शिवालयों में जलाभिषेक किया, वहीं हजारों की संख्या में लोगों ने हर की पैड़ी सहित विभिन्न घाटों पर स्नान किया। विभिन्न प्रदेशों से आए श्रद्धालु भोर होते ही घाटों पर जुटना शुरू हो गए थे और दिन चढ़ने के साथ ही श्रद्धालुओं की संख्या में वृद्धि होती गई। वहीं, हरिद्वार में कई दिनों से चल रहे कांवड़ मेले का भी आज समापन हो गया। बड़ी संख्या में कांवड़िये हरिद्वार से गंगा जल लेकर अपने–अपने गंतव्य की ओर रवाना हुए।

केदारनाथ कपाट

रुद्रप्रयाग जिले में स्थित केदारनाथ धाम के कपाट आगामी 2 मई को सुबह 7 बजे श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। आज महाशिवरात्रि पर्व पर केदारनाथ धाम के शीतकालीन गद्दी स्थल ओंकारेश्वर मन्दिर, ऊखीमठ में रावल भीमाशंकर लिंग की मौजूदगी मे पंचाग गणना के अनुसार कपाट खोलने की तिथि घोषित की गई।

भगवान केदारनाथ की पंचमुखी चल विग्रह डोली, 28 अप्रैल को ओंकारेश्वर मंदिर से प्रस्थान कर रात्रि प्रवास के लिए प्रथम पड़ाव विश्वनाथ मंदिर, गुप्तकाशी पहुंचेगी। अगले दिन डोली फाटा में रात्रि प्रवास करेगी और 30 अप्रैल को फाटा से रात्रि प्रवास के लिए गौरादेवी मंदिर, गौरीकुंड पहुंचेगी। एक मई को चल विग्रह उत्सव डोली केदारनाथ धाम पहुंचेगी और दो मई को प्रातः सात बजे केदारनाथ धाम के कपाट श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खोल दिए जाएंगे।

पुजारी नियुक्ति

आगामी यात्राकाल के लिए श्री बदरीनाथ–केदारनाथ मंदिर समिति ने केदारनाथ और द्वितीय केदार मद्महेश्वर सहित अन्य मंदिरों में पुजारियों की तैनाती कर दी है। इस वर्ष की यात्रा में केदारनाथ धाम के लिए बागेश लिंग बतौर मुख्य पुजारी के तौर पर नियुक्त किए गए हैं। वहीं, द्वितीय केदार मद्महेश्वर धाम के लिए शिव लिंग, ओंकारेश्वर मंदिर के लिए एम.टी. गंगाधर लिंग और विश्वनाथ मंदिर गुप्तकाशी के लिए शिव शंकर लिंग को पुजारी नियुक्त किया गया है।

आदि कैलाश यात्रा

पिथौरागढ़ जिले में उच्च हिमालयी पहाड़ियों के बीच आदि कैलाश और ओम पर्वत यात्रा की तैयारियां शुरू हो गई हैं। कुमाऊं मंडल विकास निगम हर वर्ष इस यात्रा को संचालित करता है। निगम के महाप्रबंधक विजयनाथ शुक्ल का कहना है कि आदि कैलाश यात्रा के लिए श्रद्धालुओं की संख्या तेजी से बढ़ी है, जिसे देखते हुए यात्रा से जुड़ी सभी तैयारियां भी तेज कर दी गई हैं।

मौसम

मौसम विभाग ने अगले दो दिनों में राज्य के अधिकांश हिस्सों में बारिश और ओलावृष्टि की संभावना जताई है। जबकि इस अवधि में दो हजार आठ सौ मीटर से अधिक ऊंचाई वाले पर्वतीय क्षेत्रों में बर्फबारी हो सकती है। मौसम विभाग ने खासतौर पर 28 फरवरी को उत्तरकाशी, चमोली, रुद्रप्रयाग, टिहरी, पिथौरागढ़ और बागेश्वर जिले के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में भारी से बहुत भारी बर्फबारी की चेतावनी जारी की है। इस बीच, आज प्रदेश में मौसम ने एक बार फिर करवट बदली। यमुनोत्री धाम सहित राज्य के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में कहीं–कहीं हल्की बर्फबारी हुई।

सतराली की होली

अल्मोड़ा जिले के ताकुला क्षेत्र के सात गांवों की होली पौराणिक परंपरा के अनुसार महाशिवरात्रि के दिन आज बागेश्वर के बाबा बागनाथ के धाम पहुंची। सतराली की होली की अपनी एक अलग ही पहचान है। होल्यारों ने बागनाथ मंदिर में शिव की पूजा कर होली के गीतों का गायन किया।